

## ड्रग प्रतरोध का बढ़ता खतरा

### संदर्भ

स्वाइन फ्लू के उपचार के लिये उपयोग होने वाले एंटीवायरल औषधियों के वरिद्ध प्रतरोध उत्पन्न की घटनाओं का उभरना चिंता का विषय है। एच1एन1 (H1N1) की औषधियों की आसानी से उपलब्धता ड्रग प्रतरोध का भय उत्पन्न करती है।

### महत्त्वपूर्ण बंदि

- स्वाइन फ्लू का इलाज करने वाली एंटीवायरल दवाओं, जैसे ओसेल्टमविरि और जेनामविरि, को ड्रग्स और कॉमेस्टिक नियमों के प्रतर्बिधात्मक अनुसूची दस से हटा दिया गया है।
- अब अनुसूची H1 के तहत, सभी केमिस्ट्स इन दवाओं का स्टॉक कर सकते हैं। ऐसे में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों को भय है कि एच1एन1 की औषधियों की आसानी से उपलब्धता से ड्रग प्रतरोध का खतरा बढ़ जाएगा।
- भारत में इस वर्ष से अभी तक एच1एन1 के 11,700 से अधिक मामले तथा मौत के 561 मामले दर्ज किए जा चुके हैं।
- डॉक्टरों का कहना है कि एंटीवायरल दवाओं का दुरुपयोग दवा की स्थिति को अप्रभावी बना देते हैं।
- ओसेल्टमविरि और जेनामविरि एंटीवायरल दवाएँ हैं जो शरीर में एन्फ्लूएंजा वायरस के प्रकार ए और बी की कार्रवाई को रोकती हैं। ओसेल्टमविरि टेबलेट के रूप में उपलब्ध है और जेनामविरि पाउडर के रूप में मलित है।
- हम पहले से ही एंटीबायोटिक के प्रतरोध और उसके दुष्परभाव से संबंधित खतरों को देख रहे हैं। जसि तरह एंटीबायोटिक औषधियों के आसानी से उपलब्ध एवं दुरुपयोग होने के कारण उनका प्रतरोध बन गया है, वही हाल अब एंटीवायरल ड्रग्स के साथ भी होने जा रहा है।

### क्या होता है ड्रग प्रतरोध ?

- जीवाणुओं के विभिन्न प्रकारों में से कुछ जीवाणु ड्रग प्रतरोधी होते हैं। एंटीबायोटिक औषधियाँ हमें बीमार करने वाली सामान्य जीवाणुओं को मार देती हैं, परन्तु ड्रग प्रतरोधी जीवाणुओं पर इनका असर नहीं होता है।
- इससे ड्रग प्रतरोधी जीवाणुओं को उभरने का मौका मलित जाता है। ये अपना गुण अन्य जीवाणुओं को दे देते हैं और इस तरह प्रतरोध फैलते रहता है।

### एंटीबायोटिक प्रतरोध का कारण

#### इसके नमिन कारण हैं :

- आवश्यकता से अधिक दवा लखिना।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए तरीके से दवा न लेना।
- कृषि क्षेत्र में अनावश्यक दुरुपयोग।
- अस्पतालों एवं क्लिनिक्स में संक्रमण नियंत्रण में कमी।
- स्वच्छता के प्रतर्लापरवाही।
- प्रयोगशालाओं में तेजी से परीक्षणों का अभाव।